<u>**बीएचईएल ने नवाचार और सहयोग के माध्यम से स्थानीय आपूर्ति पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए परिचर्चा – *संवाद 4.0* का आयोजन किया**</u>

नई दिल्ली, 26 नवंबर: माननीय प्रधानमंत्री जी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के विजन के अनुसरण में, और स्थानीयकरण पर अपने निर्बाध प्रयास को जारी रखते हुए, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने आज भारत मंडपम में घरेलू व्यवसाय भागीदारों, उद्योग संघों, शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों, सरकारी संस्थानों एवं अन्य मंत्रालय जैसे डीओई (DoE), डीपीआईआईटी (DPIIT), एमओपी (MoP), इस्पात मंत्रालय (MoSteel), MeitY, रेलवे, आदि और एनटीपीसी, सेल, मिधानी, एचएएल, बीपीसीएल, आईओसीएल, ओएनजीसी जैसे केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों एवं सीईए, एनसीआईआईपीसी, आईसीएटी आदि संस्थानों के साथ **संवाद का चौथा संस्करण - बीएचईएल संवाद 4.0** का आयोजन किया। भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का विषय **'नवाचार और सहयोग के माध्यम से आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करना'** था। बीएचईएल के स्वतंत्र बाहरी मॉनिटरों ने भी विचार-विमर्श में भाग लिया।

माननीय केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री, श्री एच. डी. कुमारस्वामी ने अपने संबोधन में, भारत के माननीय प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की दिशा में भारत की उल्लेखनीय प्रगति की सराहना की। उन्होंने **मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई)** योजनाओं जैसी प्रमुख पहलों के माध्यम से भारत के विनिर्माण क्षेत्र के परिवर्तनकारी विकास पर प्रकाश डाला। देश के बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने में

बीएचईएल की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करते हुए, माननीय केंद्रीय मंत्री ने भारत के आत्मनिर्भरता पहल को आगे बढ़ाने के लिए हितधारकों के बीच सहयोग, नवाचार व संवाद को बढ़ावा देने वाले एक अद्वितीय मंच के रूप में उभरे **बीएचईएल संवाद** की सराहना की।

श्री कामरान रिज़वी, सचिव (भारी उद्योग) ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में इस प्रभावशाली मंच के माध्यम से सहयोग और स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए बीएचईएल की सराहना की। घरेलू उद्योग को समर्थन देने के लिए एक लचीला विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने **बीएचईएल संवाद** की पहल की सराहना की। उन्होंने संवाद 4.0 के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों की सामग्री की भी सराहना की जिसमें एआई (AI) और साइबर सुरक्षा शामिल थे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि घरेलू उद्योग और बीएचईएल को हर क्षेत्र में लगातार नवाचार करके **मेक इन इंडिया** के ताने-बाने को मजबूत करने के लिए सहयोग जारी रखना चाहिए।

अपने संबोधन में संयुक्त सचिव (एचआई) श्री. विजय मित्तल ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में स्थानीय आपूर्तिकर्ता विकास की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने **संवाद 4.0** के तहत बीएचईएल की पहल, खरीद में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने तथा एमएसएमई के विकास को बढ़ावा देने में सरकारी ई मार्केटप्लेस (जीईएम) जैसे प्लेटफार्मों की सराहना की।

इससे पहले, प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, बीएचईएल के सीएमडी, श्री के. सदाशिव मूर्ति ने सभी हितधारकों से तकनीकी सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने, सार्थक चर्चा में शामिल होने, और नवीन विचारों को विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने उल्लेख किया कि बीएचईएल का ध्यान न केवल अपनी खरीद को स्वदेशी बनाने पर था, बल्कि अन्य संस्थाओं के लिए उत्पाद विकसित करने और इस तरह उनकी आयात सामग्री को कम करने पर भी था। उन्होंने उल्लेख किया कि कंपनी ने पहले ही CAPEX में निवेश किया है, और बेंगलुरु स्थित अपने डिवीजन से भारतीय रेलवे के लिए सिरेमिक पोरिंग ट्यूब का विकास और आपूर्ति किया।

कार्यक्रम के दौरान, माननीय केंद्रीय मंत्री ने **भारी उद्योग मंत्रालय की पत्रिका "उद्योग भारती"**, के साथ-साथ **बीएचईएल के इंजीनियरिंग संग्रह - "इनोवेशन टू आत्मनिर्भरता"** का विमोचन किया।

इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत हेतु योगदान देने वाले बीएचईएल की सफलता के साझेदारों में से स्टार परफॉरमर्स को माननीय केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री, श्री एच. डी. कुमारस्वामी द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, श्री जय प्रकाश श्रीवास्तव, निदेशक (ई, आर एंड डी) ने बीएचईएल संवाद 4.0 के दौरान आयोजित विविध और व्यावहारिक तकनीकी सत्रों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस आयोजन की शानदार सफलता में सहायक सभी हितधारकों के प्रति उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी और अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।